Digitized by KMV College Library, Jalandhar

Exam. Code : 216304
Subject Code : 5847

M.A. Hindi 4th Semester
MADHYAKALIN HINDI KAVYA
Paper—XVI

Time Allowed—3 Hours] [Maximum Marks—80

नोट :— यह प्रश्न-पत्र **दो** भागों में विभाजित है। निर्देशानुसार ही उत्तर दें।

भाग—क

यह भाग **दो** उपभागों में विभक्त है। निर्देशानुसार उत्तर दें।

उपभाग—I

1. निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं **चार** अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिये :— 4×6=24

(i) लोकहुँ बेद सुसाहिब रीती। बिनय सुनत पहिचानत प्रीती।।
गनी गरीब ग्राम नर नागर। पंडित मूढ़ मलीन उजागर।।

(ii) राम रज बैठें त्रैलोका। हरषित भए गए सब सोका।।
बयरु न कर काहू सन कोई। राम प्रताप बिषमता खोई।।

(iii) अब मैं शरण तिहारी जी मोहि राखो कृपानिधान।
अजामील अपराधी तारे, तारे नीच सदान।
जल डूबत गजराज उबारे, गणिका चढ़ी विमान।
और अधम तारे बहुतेरे, भाखत सन्त सुजान।

(iv) मेरे तो गिरधर गोपाल दूसरा न कोई
जाके शिर मोर मुकुट मेरे पति वोई।
शंख चक्र गदा पद्म कंठ माला सोई।।
आई मैं भक्त जान जगत देख मोई।

Digitized by KMV College Library, Jalandhar

(v) कहट, नटत, रीझत खिझत, मिलत, खिलत लजियात।
भरे भौन महँ करत हैं, नैननु ही सब बात ।।

(vi) लाल; तुम्हारे रूप की, कहे, रीति यह कौन।
जासौं लागत पलकु दृग लागत पलक पलौ न।।

उपभाग—II

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **चार** लघु प्रश्नों के उत्तर दीजिए :— 4×6=24

(i) कवितावली का मूल प्रतिपाद्य स्पष्ट करें।

(ii) हिन्दी राम काव्यधारा में तुलसी का स्थान निर्धारित करें।

(iii) बिहारी सतसई के काव्य शिल्प को स्पष्ट करें।

(iv) मीराबाई की वाणी का काव्य सौष्ठव बताएं।

(v) गुरु गोबिन्द सिंह के जीवन पर चर्चा करें।

(vi) भूषण का कृतित्व स्पष्ट करें।

भाग—ख

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर दीजिए :— 2×16=32

(i) तुलसी की दार्शनिकता पर विस्तारपूर्वक चर्चा करें।

(ii) मीराबाई के काव्य में भक्ति का स्वरूप स्पष्ट करें।

(iii) बिहारी सतसई के मूल प्रतिपाद्य पर विस्तारपूर्वक चर्चा करें।

Digitized by KMV College Library, Jalandhar

Exam. Code : 216304
Subject Code : 5848

M.A. Hindi 4th Semester

ADHUNIK GADHYA SAHITYA

Paper—XVII

Time Allowed—3 Hours] [Maximum Marks—80

प्रथम भाग

उपशीर्षक—क

नोट :— निम्नलिखित छः गद्यांशों में से किन्हीं **चार** की सप्रसंग व्याख्या कीजिये।

1. आनन्द की अरूण आभा धुंधली धुंधली फूटती हुई अंत में बसंत की पूर्ण प्रफुल्लता और प्रचुरता के रूप में फैल जाती है; इसी प्रकार लोक की पीड़ा, बाधा, अन्याय, अत्याचार की बीच दबी हुई आनन्द-ज्योति भीषण शक्ति में परिणत होकर अपना मार्ग निकालती है और फिर लोकमंगल और लोकरंजन के रूप में अपना प्रकाश करती है।

2. मुझे मानव-जाति की दुर्दम-निर्मम धारा के हज़ारों वर्ष का रूप साफ दिखायी दे रहा है। मनुष्य की जीवनी-शक्ति बड़ी निर्मम है, वह सभ्यता और संस्कृति के वृथा मोहों को रौंदती चली आ रही है। न जाने कितने धर्माचारों, विश्वासों, उत्सवों और व्रतों को धोती-बहाती यह जीवन-धारा आगे बढ़ी है। संघर्षों से मनुष्य ने नयी शक्ति पायी है।

Digitized by KMV College Library, Jalandhar

3. असल बात इतनी ही है कि महेन्द्र की जगह इनमें से कोई भी आदमी होता तुम्हारी ज़िंदगी में तो साल दो साल बाद तुम यही महसूस करती कि तुमने एक गलत आदमी से शादी की है।

4. कितने साल हो चुके हैं मुझे ज़िन्दगी का भार ढोते ? उनमें से कितने साल बीते हैं मेरे इस परिवार की देख-रेख करते ? और उस सब के बाद आज पहुँचा कहाँ हूँ ? यहाँ कि जिसे देखो वही मुझसे उल्टे ढंग से बात करता है।

5. मैं नम्रतापूर्वक, तटस्थ भाव से उनकी शिक्षा को सुन और समझ रहा था। इस निमित्त से मैंने हिन्दू धर्म का यथाशक्ति अध्ययन किया और दूसरे धर्मों को समझाने की कोशिश की।

6. यदि कल तुम्हें कुछ हो जाए तो पत्नी और बच्चों के भरण-पोषण का भार उन गरीब भाई पर ही पड़ेगा न, जिन्होंने पिता का स्थान लिया है और उसे सुशोभित किया है।

4×6=24

उपशीर्षक—ख

नोट :— निम्नलिखित छः प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिये।

1. हिन्दी निबंध-विकास में प्रतापनारायण मिश्र के योगदान का सामान्य परिचय दीजिये।

2. निबंध साहित्य में प्रतापनारायण मिश्र के महत्व का सामान्य परिचय दीजिये।

3. नाटककार भारतेन्दु का सामान्य परिचय दीजिये।

4. नाट्यकला के विकास में भारतेन्दु के योगदान का सामान्य परिचय दीजिये।

5. यशपाल का हिन्दी आत्मकथा-लेखन के विकास में योगदान का सामान्य परिचय दीजिये।

6. यशपाल की आत्मकथा का सामान्य परिचय दीजिये।

4×6=24

द्वितीय भाग

नोट :— निम्नलिखित **तीन** प्रश्नों में से किन्हीं **दो** का उत्तर दीजिये।

1. उपेक्षित पात्रों का सरोकार निबंध के आधार पर कवियों की उर्मिला विषयक उदासीनता की विवेचना कीजिये।

2. 'आधे-अधूरे' नाटक में अभिव्यक्त अस्तित्ववादी चेतना का विवेचन कीजिये।

3. 'मेरी आत्मकथा' की तत्वगत समीक्षा कीजिये। 2×16=32

Digitized by KMV College Library, Jalandhar

Exam. Code : 216304
Subject Code : 5849

M.A. (Hindi) 4th Semester

HINDI BHASHA AUR DEVNAGRI LIPI

Paper : XVIII

Time Allowed—Three Hours] [Maximum Marks—80

नोट :— प्रस्तुत प्रश्न-पत्र के **दो** भाग हैं। निर्देशानुसार ही उत्तर दें।

भाग—प्रथम

1. किन्हीं **आठ** प्रश्नों के उत्तर दीजिये :— 6×8=48

(i) प्राचीन भारतीय आर्यभाषाओं के विकास को रेखांकित कीजिये।

(ii) अर्धमागधी की विशेषताएँ बताइये।

(iii) प्राकृत-शौरसेनी की विशेषताएँ बताइये।

(iv) लौकिक संस्कृत का परिचय दीजिये।

(v) हिन्दी भाषा के विकास को रेखांकित कीजिये।

(vi) उपसर्गों का सामान्य परिचय दीजिये।

(vii) प्रत्यय की परिभाषा देते हुए इसके प्रकारों का उल्लेख करें।

(viii) पदक्रम क्या है ? विस्तार से रेखांकित कीजिये।

(ix) अन्वित किसे कहते हैं ? उदाहरण सहित स्पष्ट करें।

Digitized by KMV College Library, Jalandhar

(x) क्या देवनागरी लिपि वैज्ञानिक है ? स्पष्ट कीजिये।

(xi) महाजनी लिपि के स्वरूप को स्पष्ट करें।

(xii) देवनागरी व कैथी लिपि में अन्तर स्पष्ट करें।

भाग—द्वितीय

2. किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिये :— 16×2=32

(i) हिन्दी के भौगोलिक विस्तार को स्पष्ट कीजिये।

(ii) हिन्दी के विकास में खड़ी बोली के योगदान को स्पष्ट कीजिये।

(iii) वैदिक संस्कृत के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए उसकी विशेषताओं को रेखांकित कीजिये।